प्रसार भारती
आकाशवाणी शिमला
03.07.2025 / प्रादेशिक समाचार / 19:45बजे

मुख्य समाचार''

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा–विदेश में रोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए वेबसाइट और मोबाइल ऐप विकसित करेगी सरकार।
- राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्राकृतिक डिजिटल खेती को प्रोत्साहित करने पर दिया बल।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सराज क्षेत्र में भारी वर्षा व बादल फटने से हुए नुकसान पर जताया दुख–सरकार से राहत कार्य में तेजी लाने की मांग की।
- प्रदेश में मॉनसून सीजन में अब तक 69 लोगों की मृत्यु–34 लापता–सैकंड़ो सड़के अवरू

अब समाचार विस्तार से.....

सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने श्रम व रोजगार विभाग को विदेश में रोजगार के अवसर तलाश रहे युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी मदद के लिए समर्पित वेबसाइट व मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने के निर्देश दिए हैं। शिमला में आज एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म में इच्छुक युवाओं का व्यापक डेटा संकलित किया जाएगा, जिससे विदेश में नौकरी पाने के दौरान पारदर्शिता बेहतर पहुंच व सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश से प्रत्येक वर्ष लगभग 10 हजार युवा रोजगार की तलाश में विदेश जाते हैं और करीब 5 हजार युवा उच्च शिक्षा ग्रहण करते हैं। सही जानकारी और उचित मार्गदर्शन के अभाव में यह संख्या क्षमता से कम है। मुख्यमंत्री ने श्रम व रोजगार विभाग को युवाओं को विदेश में रोजगार के सुरक्षित और वैध तरीकों के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता अभियान शुरू करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को केवल पंजीकृत भर्ती एजेंसियों के माध्यम से ही विदेश जाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बैठक में ग्रामीण विकास व पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

राज्यपाल

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा है कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्राकृतिक व डिजीटल खेती को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। राज्यपाल आज चौधरी सरवण कुमार कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में 26 वीं सीनेट बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिक अपने शोध कार्यों को किसानों की आय बढ़ाने पर केंद्रित करें।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक, शोध व प्रसार कार्यक्रमों और कृषि विस्तार के क्षेत्रों में सराहनीय उपलब्धियां प्राप्त की हैं।

उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक का प्रदर्शन, स्मार्ट खेती के नए प्रयोग और सटीक कृषि पद्धतियों का प्रसार दर्शाता है कि यह विश्वविद्यालय न केवल अनुसंधान कर रहा है, बल्कि उसे खेत तक पहुंचाने की दिशा में भी सक्रिय है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को अपनाने में भी विश्वविद्यालय की सराहनीय भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि रासायनिक खेती के दुष्प्रभावों के समाधान के लिए जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में विश्वविद्यालय ने महत्त्वपूर्ण कार्य किया है। इससे पूर्व, राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर में जिंकगो बिलोबा का पौधा भी रोपित किया।

शांडिल

स्वास्थ्य मंत्री कर्नल धनीराम शांडिल ने कहा है कि राज्य सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। वे आज क्षेत्रीय अस्पताल सोलन में रोगी कल्याण समिति की शासकीय निकाय की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि रोगी कल्याण समितियों के माध्यम से अस्पतालों की कार्यप्रणाली को और बेहतर बनाने, स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता लाने और अस्पतालों के प्रबंधन को सुचारू रूप से संचालित करने के ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

जयराम ठाकुर

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सराज विधानसभा क्षेत्र में बादल फटने व भारी वर्षा से हुए नुकसान पर दुख जताया है। मंडी में आज एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस भीषण त्रासदी से हुए भारी नुकसान से सराज क्षेत्र 25 वर्ष पीछे चला गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि क्षेत्र में अभी तक 30 से अधिक लोग लापता हैं और 9 शवों को बरामद कर लिया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एन. डी.आर.एफ और एस.डी.आर.एफ की टीमें सराज पहुंच चुकी है और मुख्यमंत्री ने भी कल क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण कर स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत कार्य पर्याप्त नहीं है और इसमें तेजी लाई जानी चाहिए।

मौसम

प्रदेश में मॉनसून की वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी है, जिससे सामान्य जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। प्रदेश में मॉनसून की भारी वर्षा, भूस्खलन व बादल फटने से कई स्थानों पर सड़क मार्ग अवरूद्ध हैं और विद्युत व पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। प्रदेश में मॉनसून सीजन में अब तक 69 लोगों की मृत्यु हो चुकी है जबकि 37 लोग अभी भी लापता हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 2 सौ 46 सड़कों पर यातायात बंद है और करीब चार सौ ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं जबकि 7 सौ से अधिक पेयजल योजनाएं बंद हो गई हैं। भारी वर्षा व बादल फटने की घटनाओं से सबसे अधिक प्रभावित मंडी जिला में एन.डी.आर.एफ. और एस.डी.आर.एफ. की टीमें राहत व बचाव कार्य जुटी हुई हैं। जिले में इस त्रासदी में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 31 लोग लापता हैं। विस्तृत जानकारी के साथ हमारे मंडी जिला

उधर मनाली–लेह सड़क मार्ग में स्नो गैलरी के समीप भारी वर्षा के कारण बाढ़ आने से अवरूद्ध मार्ग को करीब 15 घंटे बाद एक तरफा वाहनों की आवाजाही के लिए आज दोहपर बाद बहाल कर दिया गया है। मनाली के डीएसपी के.डी शर्मा ने ये जानकारी दी है।

मौसम–2

चंबा जिला की जडेरा पंचायत के क्लयू गांव में बीती रात भारी वर्षा के कारण भूस्खलन से एक मकान के क्षतिग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि एक अन्य घायल है। एस.डी.एम. चंबा प्रियांशु खाती ने बताया कि जब वे मौके पहुंचे तो मकान पूरी तरह भूस्खलन की चपेट में आ चुका था और एक व्यक्ति की मलबे के नीचे दबने से मौत हो गई थी। उन्होनें कहा कि प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों और घायल को फौरी राहत प्रदान की गई है।

इस बीच मौसम विभाग ने आगामी 24 घटों के दौरान कांगड़ा, मंडी, हमीरपुर, शिमला और सिरमौर जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। विभाग ने आगामी दिनों में भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए लोगों से नदी–नालों से दूर रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन के दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

अंत में मुख्य समाचार एक बार फिर''

- मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा–विदेश में रोजगार के के इच्छुक युवाओं के लिए वेबसाइट और मोबाइल ऐप विकसित करेगी सरकार।
- राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए प्राकृतिक व डिजिटल खेती को प्रोत्साहित करने पर दिया बल।
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी जिले के सराज क्षेत्र में भारी वर्षा व बादल फटने से हुए नुकसान पर जताया दुख–सरकार से राहत कार्य में तेजी लाने की मांग की।
- प्रदेश में मॉनसून सीजन में अब तक 69 लोगों की मृत्यु–34 लापता–सैकंड़ो सड़के अवरूद्ध।

———————————————————————————————————————